

युग दृष्टा आचार्य भगवंत गुरुवर विद्यासागर जी महाराज की अद्वितीय साधना एवं विश्व पर उनकी सीमातीत करुणा की अभिव्यक्ति है “प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ”। प्रतिभास्थली, जैनाचार्य 108 विद्यासागरजी महाराज की असीम कृपा और दूरदृष्टि से पल्लवित, पुष्पित व फलित भारत-भर में अनूठा व अद्वितीय कन्या आवासीय शिक्षण संस्थान है। यह संस्थान आज के आधुनिक परिवेश में प्राचीन गुरुकुलों की स्मृति को पुनः जीवंत कर रहा है। प्रतिभास्थली से कन्या रूपी बीज के उत्थान की अनगिनत संभावनाओं को समयोचित खाद पानी देकर उन्हें वटवृक्ष का रूप देने का अद्भुत प्रयोग यह विद्यालय संस्कारों के गवाक्ष से गुरुकुल पद्धति पर आधारित, प्राचीन काल की संस्कृति, शिक्षा मंदिर, शील मंदिर, संस्कार मंदिर का एक अदभुत शिक्षण केंद्र है। यह संस्थान आज के आधुनिक परिवेश में प्राचीन गुरुकुलों की स्मृति को पुनः जीवंत कर रहा है। यहाँ पर जीवन का निर्वाह नहीं निर्माण होता है।

पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ – भारत प्रतिभाओं में निपुण देश रहा है। भारत की प्रतिभाओं से विश्व गौरवान्वित होता आया है। रेखांकन, चित्रकला, मीनाकारी, सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, क्वीलिंग, लमासा, मेक्रम, मार्बल, मेहंदी, रंगोली, ग्लास पेंटिंग, हथकरघा, हस्तशिल्प, खेती, आयुर्वेद आदि समस्त रुचिवर्धक कलाओं का प्रतिभास्थली में उच्च कौशलविद् शिक्षिकाओं द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे छात्राओं में आत्म विश्वास, सृजनात्मकता, कल्पना, रचनात्मकता, कलात्मकता आदि समुचित गुणों का विकास होता है।



ये छात्राएं भारत के लिए एक सशक्त युवा पीढ़ी बनकर सामने आए, जो भारत को पुनः विश्व गुरु पद पर आसीन कर सके, इसी भावना को लेकर प्रतिभास्थली में सभी छात्राओं को उपरिल सभी कलाओं में पारंगत किया जाता है।

पुरस्कार वितरण समारोह- प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह केवल पुरस्कार प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि छात्राओं की मेहनत, लगन, अनुशासन और प्रतिभा का सम्मान करने का उत्सव है। प्रत्येक पुरस्कार के पीछे अनगिनत प्रयास, असफलताओं से सीखने का साहस और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ते रहने की भावना छिपी होती है। आज सम्मानित होने वाली सभी छात्राएँ यह सिद्ध करती हैं कि सफलता केवल प्रथम आने में नहीं, बल्कि स्वयं को कल से बेहतर बनाने में है। यह पुरस्कार उनके लिए मंजिल नहीं, बल्कि नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ने की प्रेरणा है। प्रतिभास्थली की प्रत्येक छात्रा अपने भीतर एक विशेष क्षमता रखती है; आवश्यकता है तो केवल उस क्षमता को पहचानकर उसे सही दिशा देने की। इसलिए आज का यह सम्मान सभी छात्राओं को यही संदेश देता है—सपने बड़े रखिए, प्रयास निरंतर रखिए और सफलता मिलने पर विनम्रता बनाए रखिए। आपकी आज की उपलब्धि आपके उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी है।



प्रशिक्षित शिक्षिकाएँ-प्रतिभास्थली की शिक्षिकाएँ केवल उच्च शिक्षा प्राप्त शिक्षिकाएँ ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने वाली सच्ची मार्गदर्शक हैं। उनके लिए शिक्षा केवल पुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन-मूल्यों का निर्माण है। वे अपने ज्ञान, अनुभव और समर्पण से प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने का निरंतर प्रयास करती हैं। उनके व्यक्तित्व में ज्ञान की गहराई, व्यवहार में ममता और कार्य के प्रति अद्भुत निष्ठा दिखाई देती है। वे स्वयं निरंतर सीखती हैं और विद्यार्थियों को भी जिज्ञासु, आत्मनिर्भर तथा श्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित करती हैं। आधुनिक परिवेश में आवश्यक तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ हमारे यहाँ शारीरिक शिक्षा, संगीत, नृत्य, योग, कला और शिल्प, पाककला, सिलाई, हथकरघा, बुनाई आदि के अध्ययन हेतु शिक्षिकाओं का एक उत्साही समूह है जो प्राचीन और आधुनिक शिक्षण विधियों के द्वारा छात्राओं को विभिन्न विषयों में पारंगत कर रही हैं। हमारे पास 10 सहायक कर्मचारी भी हैं जिनमें सफाईकर्मी, चौकीदार, चपरासी आदि सम्मिलित हैं।



अभिभावक शिक्षक वार्ता (पी.टी.एम)-प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ में आयोजित अभिभावक-शिक्षक वार्ता केवल शैक्षणिक प्रगति जानने का अवसर नहीं, बल्कि छात्राओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस संवाद के माध्यम से अभिभावक और शिक्षक एक साथ बैठकर छात्राओं की उपलब्धियों, रुचियों, चुनौतियों और भविष्य के लक्ष्यों पर विचार करते हैं। जब विद्यालय और परिवार मिलकर छात्राओं का मार्गदर्शन करते हैं, तो उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, जिम्मेदारी और अपने सपनों को पूरा करने का उत्साह विकसित होता है। एक छात्रा की सफलता केवल उसके अंकों में नहीं, बल्कि उसके संस्कार, आत्मविश्वास, विचारों और निरंतर अग्रे बढ़ने के प्रयासों में दिखाई देती है।

विद्यालय कार्य समिति-प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ में लोकतंत्र पर आधारित विद्यालय कार्य समिति का गठन छात्राओं में नेतृत्व, जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करने की एक सुंदर पहल है। शाला नायिका एवं कक्षा नायिका का चुनाव केवल पद प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि अपनी योग्यता, अनुशासन, सहयोग और नेतृत्व क्षमता को पहचानने का अवसर है। इसके माध्यम से छात्राएँ विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, अपने साथियों का मार्गदर्शन करती हैं और विद्यालय की व्यवस्थाओं में सहयोग देती हैं। यह चुनाव छात्राओं को यह विश्वास देता है कि “हम केवल विद्यालय का हिस्सा नहीं, बल्कि विद्यालय की व्यवस्था और प्रगति की सक्रिय सहभागी हैं।” ऐसे अवसर उनमें निर्णय लेने, टीम के साथ कार्य करने और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के गुणों का विकास करते हैं।



प्रतिभास्थली का यह प्रयास छात्राओं को आज की जिम्मेदार विद्यार्थी से कल की सक्षम और संवेदनशील नेतृत्वकर्ता बनने की दिशा में प्रेरित करता है। इसके साथ ही विद्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए स्वच्छता मंत्री, खाद्य मंत्री, शिक्षा मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, खेल मंत्री, अनुशासन मंत्री एवं सांस्कृतिक मंत्री का चयन किया जाता है।

महत्त्वपूर्ण दिवस- प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ में महत्त्वपूर्ण दिवसों का आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है। विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, शिक्षक दिवस, पर्यावरण दिवस, योग दिवस, हिंदी दिवस एवं अन्य राष्ट्रीय तथा सामाजिक महत्त्व के दिवस उत्साहपूर्वक मनाए जाते हैं। इन अवसरों पर विद्यार्थियों द्वारा भाषण, नाटक, गीत, कविता, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर एवं विभिन्न रचनात्मक गतिविधियाँ प्रस्तुत की जाती हैं। इन आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को देश, समाज, प्रकृति, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूक होने का अवसर मिलता है। प्रतिभास्थली में प्रत्येक महत्त्वपूर्ण दिवस केवल उत्सव न होकर ज्ञान, संस्कार और जिम्मेदारी को जीवन से जोड़ने का माध्यम बनता है।



मार्गदर्शन एवं परामर्श- मार्गदर्शन एवं परामर्श विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक महत्त्वपूर्ण आधार है। प्रतिभास्थली में विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक, व्यक्तिगत, भावनात्मक, सामाजिक एवं भविष्य से जुड़ी आवश्यकताओं के अनुसार उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जा सकता है। इसका उद्देश्य केवल विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, जागरूक, अनुशासित, संवेदनशील और अपने जीवन के सही निर्णय लेने में सक्षम व्यक्ति बनने में सहायता करना है।

सह शैक्षणिक गतिविधियाँ- मन, वचन एवं शरीर को एकाग्र करने का नाम ही योग है। जिससे छात्राएँ अपने अंदर निहित समस्त आंतरिक शक्तियों को उद्धाटित करती हैं। छात्राएँ अपनी आध्यात्मिकता की गहराईयों की जड़ें मजबूत बना सके एवं सार्वभौमिकता की ऊँचाईयों को प्राप्त कर सके, इन्हीं भावनाओं को पूर्ण करने के लिए प्रतिभास्थली में योग एवं प्राणायाम का विशेष महत्व है।



शैक्षणिक भ्रमण- छात्राओं के शैक्षणिक जीवन को प्रिय, रुचिकर एवं आमोद-प्रमोद के साथ वास्तविक अनुभव प्रत्यक्ष रूप से करने के लिए भ्रमण एवं यात्राएँ आयोजित की जाती हैं। पर्यटन छात्राओं में कल्पनाशीलता, सहनशीलता, प्रेम, सौंदर्यानुभूति जैसे गुणों का संवर्धन करती है। प्रतिभास्थली प्रतिवर्ष सुनियोजित शैक्षिक पर्यटनों का आयोजन करती है। छात्राओं को कक्षा के अनुसार विभिन्न लघु पर्यटन भी ले जाया जाता है। गतवर्ष छात्राएँ “Tiger Hill” स्थान पर गई थीं।

प्रतिभास्थली की परंपरा के अनुसार नवमी व ग्यारहवीं की छात्राओं को समस्त भारत दीर्घभ्रमण पर 08 से 12 दिनों के लिए ले जाया जाता है, जहाँ उन्हें उस प्रदेश की संस्कृति, रीति-रिवाज, परंपरा आदि का प्रत्यक्ष ज्ञान कराया जाता है।



प्रतिभास्थली की कक्षा ग्यारहवीं की छात्राओं द्वारा शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत उत्तराखंड की यात्रा की गई। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक स्थलों तथा साहसिक गतिविधियों का प्रत्यक्ष अनुभव कराना था। सबसे पहले छात्राएँ हरिद्वार पहुँचीं, जहाँ उन्होंने गंगा घाटों का दर्शन किया और वहाँ की आध्यात्मिक वातावरण को अनुभव किया। इसके पश्चात वे ऋषिकेश गईं, जहाँ उन्होंने रोमांचक गतिविधियों जैसे बंजी जंपिंग और रिवर राफ्टिंग का आनंद लिया। इसके बाद समूह ने मसूरी का भ्रमण किया। वहाँ की पहाड़ियाँ, झरने और ठंडा मौसम छात्राओं के लिए अत्यंत आकर्षक रहे।



शैक्षणिक कार्यक्रम- इस सत्र की परीक्षाएं विद्यालय की शिक्षिकाओं के निर्देशन में संचालित हुईं। जिनमें तीन आवधिक परीक्षाएं, परियोजना कार्य और कक्षा गतिविधियाँ भी संपन्न कराई गईं। कक्षा 9 वीं तक के परीक्षा परिणाम मार्च महीने में घोषित किए गए।

विवरण के अंत में, मैं इस संस्था पर बरसने वाले आशीर्वाद के लिए सर्वशक्तिमान ईश्वर और आचार्य श्री जी को नमन करती हूँ। हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्राओं के चरित्र निर्माण के अपने प्रयास में माता-पिता के सहयोग और उनके रचनात्मक सुझावों का भी समावेश करते हैं। सबका सहयोग और हमारे प्रयोग से संचालित यह विद्यालय सतत विकासोन्मुखी बना रहे यही हमारा उद्देश्य है।


प्रमुख्यालय
प्रतिभास्थली अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा
संस्थान - नया दिल्ली (N.A.S.I.)

